

दैनिक समसामयिकी विश्लेषण

समय: 45 मिनट

दिनांक: 18-08-2025

विषय सूची

- » भारत में 'ऑनर किलिंग' को कैसे प्रोत्साहित और वैध बनाया जाता है?
- » भारत अवैध घुसपैठ के समाधान के लिए जनसांख्यिकीय मिशन की शुरुआत
- » प्रधानमंत्री ने आगामी पीढ़ी के GST सुधारों की घोषणा की
- » इथेनॉल मिश्रण का प्रभाव
- » S&P ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को बढ़ाकर BBB किया
- » ब्लैक होल-तारा अंतःक्रिया से उत्पन्न नए प्रकार के सुपरनोवा

संक्षिप्त समाचार

- » श्री अरबिंदो
- » अलास्का
- » ऑपरेशन सद्भावना
- » PM विकसित भारत रोजगार योजना
- » बॉम्बैक्स सीइबा और लेगरस्ट्रोइमिया स्पेशियोसा
- » भारत का प्रथम सतत विमानन ईंधन संयंत्र
- » मिशन सुदर्शन चक्र
- » SLINEX-25

भारत में 'ऑनर किलिंग' को कैसे प्रोत्साहित और वैध बनाया जाता है?

संदर्भ

- भारत में जाति एक गहरी सामाजिक संरचना बनी हुई है,, और 'ऑनर' किलिंग जातीय पदानुक्रम को बनाए रखने के लिए एक हिंसक लेकिन सामाजिक रूप से वैध माने जाने वाले उपकरण के रूप में उभर रही हैं, विशेष रूप से अंतर-जातीय विवाहों के विरुद्ध।

ऑनर किलिंग के बारे में

- परिभाषा:** ऑनर किलिंग उन व्यक्तियों (अधिकतर युवा जोड़े) की हत्या को कहते हैं जिन्हें परिवार या समुदाय के सदस्य इसलिए मार देते हैं क्योंकि उन्होंने जाति, समुदाय या लिंग की पारंपरिक सीमाओं को चुनौती देकर "सम्मान" को ठेस पहुंचाई होती है।
- भौगोलिक पैटर्न:** तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्य, जहां दलितों का सशक्तिकरण शिक्षा एवं रोजगारों के माध्यम से अधिक हुआ है, वहां अंतर-जातीय विवाहों की दर अधिक है तथा ऑनर किलिंग के मामले भी अधिक सामने आते हैं।
 - विरोधाभास:** हिंसा वहां सबसे अधिक दिखाई देती है जहां जातीय पदानुक्रम को चुनौती दी जा रही है, न कि वहां जहां यह बिना चुनौती के बना हुआ है।
- NCRB (राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो)** के अनुसार: भारत में 2019 और 2020 में ऑनर किलिंग के 25 मामले दर्ज हुए, जो 2021 में बढ़कर 33 हो गए।

ऑनर किलिंग के कारण

- जातिगत अंतर्विवाह:** परिवार जातीय सीमाओं के संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं और महिलाओं की पसंद को नियंत्रित करते हैं ताकि वंश, भूमि और प्रतिष्ठा को बनाए रखा जा सके।
- खाप/सामुदायिक स्वीकृति:** अनौपचारिक पंचायतें या रिश्तेदारी नेटवर्क हिंसा या सामाजिक बहिष्कार को प्रोत्साहित या वैध ठहराते हैं।

- बहिष्करण का भय:** जो परिवार पारंपरिक विवाह मानदंडों का पालन नहीं करते, उन्हें समुदाय द्वारा बहिष्कृत किए जाने का डर सताता है।
- सोशल मीडिया में गुमनामी:** सोशल मीडिया पर जातीय गर्व और निगरानी की कहानियों को महिमामंडित किया जाता है, जिससे विरोध करने वालों को दंडित करना सामान्य हो जाता है।

प्रभाव

- संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन:** यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19 और 21 का उल्लंघन करता है।
- लिंग आधारित हिस्सा:** यह असमान रूप से अपनी पसंद का दावा करने वाली महिलाओं को निशाना बनाता है; साथ ही कलंकित जातियों/समुदायों के पुरुषों को भी प्रभावित करता है।
- कानून के शासन का क्षरण:** जब समुदाय स्वयं कानून हाथ में लेते हैं, तो यह राज्य की वैध शक्ति को कमज़ोर करता है और पुलिस व गवाहों को डराता है।
- सामाजिक विखंडन:** यह जाति/धर्म आधारित ध्रुवीकरण को बढ़ाता है, अंतर-समूह गतिशीलता और एकीकरण को हतोत्साहित करता है—जिससे सामाजिक पूँजी एवं समावेशी विकास को हानि होती है।

ऑनर किलिंग के विरुद्ध उठाए गए कदम

- ऑनर अपराधों पर कोई स्वतंत्र केंद्रीय कानून नहीं है; मामलों को भारतीय दंड संहिता (अब बीएनएस द्वारा प्रतिस्थापित) और संबंधित कानूनों के अंतर्गत हत्या/प्रयास आदि के रूप में अभियोजित किया जाता है, साथ ही जहां लागू हो वहां एससी/एसटी अत्याचार अधिनियम के अंतर्गत भी।
- विधि आयोग (रिपोर्ट 242, वर्ष 2012) ने वैवाहिक विकल्पों में खाप हस्तक्षेप को रोकने के लिए एक विशेष कानून की सिफारिश की थी।
- राजस्थान सरकार ने 2019 में एक विशेष कानून पारित किया जो सम्मान/परंपरा के नाम पर वैवाहिक गठबंधनों

में हस्तक्षेप को प्रतिबंधित करता है—यह सामूहिक/ सामुदायिक दबाव को अपराध घोषित करने के लिए उल्लेखनीय है।

Judicial Pronouncements



Lata Singh Case (2006)

SC protected inter-caste marriages as freedom exercise.



Arumugam Servai Case (2011)

Khap panchayat diktats were termed illegal by SC.



Shakti Vahini Case (2018)

States were directed to protect couples.

आगे की राह

- समर्पित कानून:** ऑनर अपराधों और अवैध सामुदायिक हस्तक्षेप को अपराध घोषित करने वाला एक केंद्रीय कानून पारित किया जाए, जो विधि आयोग की सिफारिशों एवं राजस्थान के उदाहरण पर आधारित हो।
- डेटा और निगरानी:** एनसीआरबी वर्गीकरण को बेहतर बनाया जाए ताकि ऑनर अपराधों के सभी रूपों (हत्या, प्रयास, उकसाना, धमकी) को वास्तविक समय में दर्ज किया जा सके।
- संरक्षण और पुनर्वास:** जिला स्तर पर सुरक्षित आश्रय, कानूनी सहायता, परामर्श और अंतर-जातीय व अंतर-धार्मिक जोड़ों के लिए वित्तीय सहायता की व्यवस्था की जाए।

SOURCE: TH

भारत अवैध घुसपैठ के समाधान के लिए जनसांख्यिकीय मिशन की शुरुआत

समाचार में

- भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अवैध प्रवासियों से उत्पन्न खतरों से देश की रक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय जनसांख्यिकीय मिशन की घोषणा की।

भारत में अवैध प्रवासन

- यह एक बहुआयामी मुद्दा है जिसमें बिना अनुमति प्रवेश, वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी रुकना, और छिद्रयुक्त सीमाओं के पार बिना दस्तावेजों के प्रवासन सम्मिलित है।
- भारत को सीमावर्ती प्रवासन से चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम एवं पश्चिम बंगाल में, जिससे रोजगारों, सामाजिक स्थिरता और संस्कृति को लेकर चिंताएं उत्पन्न होती हैं।

अवैध प्रवासन के कारण

- छिद्रयुक्त सीमाएं:** भारत बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल और भूटान के साथ बिना बाड़ वाली सीमाएं साझा करता है, जिससे गुप्त प्रवेश आसान हो जाता है।
- राजनीतिक अस्थिरता, जातीय और धार्मिक उत्पीड़न:** म्यांमार के रोहिंग्या मुस्लिम और बांग्लादेश व पाकिस्तान के अल्पसंख्यक प्रायः उत्पीड़न से बचने के लिए भारत में शरण लेते हैं।
- आर्थिक असमानताएं:** पड़ोसी देशों के प्रवासी बेहतर रोजगार और जीवन स्तर की खोज में भारत आते हैं।
- कानूनी दांचे की कमी:** भारत 1951 के संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी सम्मेलन का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है और राष्ट्रीय शरणार्थी कानून की अनुपस्थिति के कारण शरणार्थियों एवं अवैध प्रवासियों में अंतर करना कठिन हो जाता है।

अवैध प्रवासन के प्रभाव

- जनसांख्यिकीय और सामाजिक प्रभाव:** सीमावर्ती राज्यों जैसे असम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल में जनसंख्या संरचना परिवर्तित हो जाती है।
 - जातीय तनाव को बढ़ावा दे सकता है (जैसे 1980 के दशक का असम आंदोलन)।
 - शहरी क्षेत्रों (दिल्ली, मुंबई) में शिक्षा, आवास, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता पर दबाव बढ़ता है।
- आर्थिक प्रभाव:**
 - प्रवासी प्रायः कम मजदूरी पर कार्य करते हैं, जिससे स्थानीय श्रमिक प्रभावित होते हैं।

- ▲ अनियमित रोजगारों में वृद्धि होती है, जिससे कर राजस्व में कमी आती है।
- ▲ कल्याणकारी योजनाओं पर बोझ बढ़ता है क्योंकि मुफ्त/सब्सिडी वाले राशन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा गैर-नागरिकों को भी मिलती है।
- **सुरक्षा संबंधी चिंताएं:**
 - ▲ चरमपंथी समूहों (ULFA, HuJI, ISI समर्थित संगठन) द्वारा सीमापार घुसपैठ की संभावना।
 - ▲ फर्जी दस्तावेज (आधार, राशन कार्ड, वोटर आईडी) का अवैध गतिविधियों में उपयोग।
 - ▲ तस्करी, मानव तस्करी और नार्को-आतंकवाद नेटवर्क छिद्रयुक्त सीमाओं का लाभ उठाते हैं।
- **राजनीतिक प्रभाव:**
 - ▲ अवैध प्रवासी फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से वोट बैंक बन जाते हैं।
 - ▲ ध्रुवीकृत राजनीति को जन्म देता है (CAA-NRC परिचर्चा)।
 - ▲ प्रवासियों के पुनर्वास को लेकर राज्यों के बीच विवाद (जैसे पूर्वोत्तर बनाम केंद्र)।
- **राजनयिक और पड़ोसी संबंध:**
 - ▲ बांग्लादेश और म्यांमार जैसे पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में तनाव, जो प्रवासन की जिम्मेदारी से मना करते हैं।
 - ▲ भारत की वापसी नीति (जैसे रोहिंग्या निर्वासन) को अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा मानवीय आधार पर आलोचना मिलती है।
- **पर्यावरणीय प्रभाव:**
 - ▲ बढ़ती जनसंख्या धनत्व के कारण भूमि, जल और वन संसाधनों पर दबाव।
 - ▲ पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में अतिक्रमण (जैसे असम के वेटलैंड्स, पूर्वोत्तर के जंगल)।
 - ▲ शहरी झुग्गियों और अस्थायी संसाधन उपयोग में योगदान।

उठाए गए कदम

- भारत ने सीमापार आपराधिक गतिविधियों, तस्करी, अपराधियों की आवाजाही और मानव तस्करी की चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटकर अपराध-मुक्त सीमा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।
- सीमा सुरक्षा के लिए कांटेदार तारों की बाड़, सीमा पर प्रकाश व्यवस्था, तकनीकी उपकरणों की स्थापना और पशु बाड़ जैसे उपाय किए गए हैं।
- भारत ने म्यांमार सीमा को पूरी तरह से एंटी-कट, एंटी-क्लाइंब तकनीक से लैस करने की योजना बनाई है ताकि अवैध घुसपैठ को रोका जा सके।
- **कानूनी प्रावधान:**
 - ▲ नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 कुछ धार्मिक अल्पसंख्यकों को अवैध प्रवासी की परिभाषा से बाहर करता है।
 - ▲ असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) का उपयोग बिना दस्तावेजों वाले प्रवासियों की पहचान के लिए किया गया।

Managing Illegal Immigration



Source :TH

प्रधानमंत्री ने आगामी पीढ़ी के GST सुधारों की घोषणा की

संदर्भ

- हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने गरीबों, मध्यम वर्ग, उद्यमियों, व्यापारियों और व्यवसाय मालिकों को लाभ

पहुंचाने के उद्देश्य से भारत के वस्तु एवं सेवा कर (GST) प्रणाली के लिए एक नया विज्ञन प्रस्तुत किया है, जिसका उद्देश्य कर संरचना को सरल बनाना है।

भारत की वस्तु एवं सेवा कर (GST) प्रणाली में प्रस्तावित सुधार

- सरल कर संरचना और दरों का युक्तिकरण:
 - ▲ दो मुख्य स्लैब: 5% (मेरिट दर) और 18% (मानक दर);
 - 12% स्लैब में शामिल 99% वस्तुओं को 5% में स्थानांतरित किया जाएगा;
 - 28% स्लैब में शामिल 90% वस्तुओं को 18% में स्थानांतरित किया जाएगा;
 - ▲ विशेष 40% स्लैब: तंबाकू, पान मसाला और ऑनलाइन गेमिंग जैसे 'सिन गुड्स' के लिए
- संरचनात्मक और प्रक्रियात्मक सुधार:
 - ▲ उल्टे शुल्क संरचनाओं का सुधार (विशेष रूप से वस्तु उद्योग और MSMEs में);
 - ▲ वर्गीकरण विवादों का समाधान ताकि मुकदमेबाजी कम हो;
 - ▲ पूर्व-भेरे हुए रिटर्न से अनुपालन आसान होगा और मानवीय त्रुटियाँ कम होंगी;
 - ▲ निर्यातिकों और उल्टे शुल्क संरचना वाले व्यवसायों के लिए स्वचालित रिफंड की व्यवस्था।
- मुआवजा उपकर का अंत:
 - ▲ मुआवजा उपकर (पहले विलासिता/पाप वस्तुओं पर लगाया जाता था) को नवंबर-दिसंबर 2025 तक चरणबद्ध रूप से समाप्त किया जाएगा;
 - ▲ इससे उत्पन्न वित्तीय स्थान दरों के बेहतर समायोजन की अनुमति देगा।

आर्थिक और सामाजिक प्रभाव

- GST प्रणाली में सरलता लाने से अपेक्षित लाभ:
 - ▲ अनुपालन का भार कम होगा;
 - ▲ उपभोग को प्रोत्साहन मिलेगा;
 - ▲ बेहतर अनुपालन के माध्यम से कर संग्रह में सुधार होगा।

- सुधार उपभोक्ता-केंद्रित होंगे, जिससे गरीबों, मध्यम वर्ग और MSMEs द्वारा उपभोग की जाने वाली आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं पर कम होगा।
- प्रस्तावित सुधारों को भारत के दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों और समावेशी विकास एजेंडा के अनुरूप राजकोषीय स्थिरता की दिशा में एक कदम माना जा रहा है।
 - ▲ किसी भी अल्पकालिक राजस्व गिरावट की पूर्ति आर्थिक स्फूर्ति और बेहतर अनुपालन से होने की संभावना है।

भविष्य के सुधारों के लिए सुझाव

- वर्गीकरण विवादों का समाधान करें ताकि मुकदमेबाजी कम हो;
- वस्तु उद्योग और MSMEs में विशेष रूप से उल्टे शुल्क संरचनाओं को ठीक करें;
- विवादों के शीघ्र समाधान के लिए GST अपीलीय न्यायाधिकरणों की स्थापना करें;
- फाइलिंग और समन्वयन को सुचारू बनाने के लिए डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ करें;
- यह सुनिश्चित करें कि कर कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे (एंटी-प्रॉफिटियरिंग अनुपालन)।

वस्तु एवं सेवा कर (GST) के बारे में

- GST की शुरुआत 1 जुलाई 2017 को हुई थी, जिसका उद्देश्य देश की खंडित कर प्रणाली को एकीकृत करना था। GST ने कई केंद्रीय और राज्य करों को समाप्त कर एक एकल, गंतव्य-आधारित कर प्रणाली लागू की।
- यह प्रणाली निरंतर सुधारों के माध्यम से सरलता, अनुपालन और समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ रही है।

पृष्ठभूमि: एक राष्ट्र, एक कर

- GST से पहले भारत की अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में वैट, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, सेवा कर, प्रवेश कर आदि जैसे अनेक कर शामिल थे।

- GST ने इन्हें एकीकृत कर संरचना में परिवर्तित कर दिया जिसमें केंद्रीय GST (CGST), राज्य GST (SGST), और अंतर-राज्यीय लेन-देन के लिए एकीकृत GST (IGST) शामिल हैं।
- इसके उद्देश्य थे:
 - ▲ करों के दोहराव को समाप्त करना;
 - ▲ एक सामान्य राष्ट्रीय बाजार बनाना;
 - ▲ व्यापार करने में आसानी बढ़ाना;
 - ▲ पारदर्शिता और अनुपालन को बढ़ावा देना।

Source: TH

इथेनॉल मिश्रण का प्रभाव

समाचार में

- भारत ने पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिश्रण (E20) का लक्ष्य वर्ष 2025 में प्राप्त कर लिया है, जो राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति (2018) के अंतर्गत निर्धारित 2030 के लक्ष्य से पाँच वर्ष पहले है।
 - ▲ सरकार ने इसके प्रमुख लाभों को रेखांकित किया है, जैसे तेल आयात में कमी, किसानों की आय में वृद्धि, और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में गिरावट। हालांकि, माइलेज में कमी और कृषि स्थिरता से जुड़ी चिंताओं को लेकर उपभोक्ता असंतोष बना हुआ है।

एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम (EBP) के बारे में

- **शुरुआत:** पायलट परियोजना 2003 में; राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति (2018) के अंतर्गत विस्तारा लक्ष्य: 2030 तक 20% एथेनॉल मिश्रण (E20) प्राप्त करना; 2025 में लक्ष्य हासिल।
- **मंत्रालय:** पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
- **उद्देश्य:**
 - ▲ भारत की कच्चे तेल आयात पर भारी (~85%) निर्भरता को कम करना।
 - ▲ किसानों को सुनिश्चित बाजार प्रदान करना और उनकी आय बढ़ाना।

- ▲ जीवाश्म ईंधनों के स्थान पर एथेनॉल का उपयोग कर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना।
- **फीडस्टॉक:** गन्ना (मोलासेस और रस), चावल, मक्का/कॉर्न, क्षतिग्रस्त खाद्यान।

प्रमुख चिंताएं

- **उपभोक्ता संबंधी मुद्दे:**
 - ▲ **माइलेज में गिरावट:** लोकलसर्किल्स के सर्वेक्षण में पाया गया कि 67% पेट्रोल वाहन मालिक E20 के विरोध में हैं, उन्होंने कम ईंधन दक्षता और बढ़े हुए रखरखाव व्यय का उदाहरण दिया।
 - ▲ **मूल्य लाभ सीमित:** 2022–23 से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 65% की गिरावट के बावजूद, पेट्रोल की कीमतों में केवल लगभग 2% की कटौती हुई है, जिससे उपभोक्ताओं तक लागत बचत पहुंचने पर संदेह उत्पन्न हुआ है।
- **कृषि स्थिरता:**
 - ▲ **जल-गहन फसल:** गन्ना प्रति टन 60–70 टन पानी की खपत करता है, जिससे विशेष रूप से महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में भूजल स्तर में गिरावट आती है।
 - ▲ **भूमि क्षरण:** भारत के लगभग 30% भूभाग का क्षरण हो चुका है, जिसका एक कारण अस्थिर कृषि पद्धतियाँ हैं।
 - ▲ **खाद्य बनाम ईंधन दुविधा:** चावल और मक्का को एथेनॉल उत्पादन के लिए मोड़ने से खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव पड़ा है (2024–25 में मक्का उत्पादन का 34% एथेनॉल में प्रयोग हुआ, साथ ही रिकॉर्ड चावल आवंटन), जिससे मक्का आयात में वृद्धि हुई है।

आगे की राह

- **फीडस्टॉक में विविधता लाना:** पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए गन्ने के स्थान पर मक्का, बांस और कृषि अवशेषों जैसे वैकल्पिक स्रोतों का उपयोग करें।
- **उपभोक्ता संरक्षण:** ईंधन दक्षता में गिरावट की चिंताओं को दूर करने के लिए नीति आयोग द्वारा अनुशासित कर प्रोत्साहन या मुआवजा लागू करें।

- संतुलित ऊर्जा रणनीति: एथेनॉल को एक संक्रमणकालीन या पुल ईंधन के रूप में उपयोग करें, साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा-समर्थित चार्जिंग अवसंरचना के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों को तीव्रता से अपनाएं।

Source: TH

S&P ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को बढ़ाकर BBB किया

समाचार में

- S&P ग्लोबल रेटिंग्स ने भारत की दीर्घकालिक संप्रभु क्रेडिट रेटिंग को 'BBB-' से बढ़ाकर 'BBB' कर दिया है, साथ ही स्थिर दृष्टिकोण (Stable Outlook) भी प्रदान किया गया है।

समाचार के बारे में

- यह S&P द्वारा भारत की संप्रभु रेटिंग में 18 वर्षों में प्रथम सुधार है।
- S&P का निर्णय भारत की निरंतर उच्च आर्थिक वृद्धि, सफल राजकोषीय समेकन और बेहतर नीति पूर्वानुमेयता को दर्शाता है।
- भारत की अनुमानित GDP वृद्धि FY26 के लिए 6.5% पर सुदृढ़ बनी हुई है, और देश की बाह्य स्थिति को सुदृढ़ माना गया है।

संप्रभु क्रेडिट रेटिंग्स (SCR) के बारे में

- संप्रभु क्रेडिट रेटिंग्स स्वतंत्र मूल्यांकन होते हैं जो क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों (जैसे S&P, मूडीज, फिच) द्वारा किसी देश की वित्तीय दायित्वों को पूरा करने की क्षमता के आधार पर दिए जाते हैं।
- ये किसी सरकार की ऋण चुकाने की योग्यता और उससे जुड़े जोखिम को दर्शाते हैं।
- रेटिंग्स 'AAA' (उच्चतम सुरक्षा) से शुरू होती हैं; 'BBB' और उससे ऊपर को 'निवेश योग्य' (निवेश ग्रेड) माना जाता है, जबकि उससे नीचे की रेटिंग्स को 'सद्गु' या 'जंक' श्रेणी में रखा जाता है।
- ये रेटिंग्स किसी देश की अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों तक पहुंच, उधारी की लागत और निवेशकों की धारणा को प्रभावित करती हैं।

महत्व

- उधारी लागत में कमी: रेटिंग में सुधार से सरकारी और कॉर्पोरेट बॉन्ड की यील्ड घटती है, जिससे विदेशों में उधारी सस्ती होती है।
- निवेश को बढ़ावा: 'BBB' रेटिंग भारत को वैश्विक फंड्स के लिए अधिक आकर्षक बनाती है, जिससे FPI/FII प्रवाह बढ़ सकता है और बाजार स्थिरता को बल मिलता है।
- मूलभूत मजबूती का संकेत: यह सुधार भारत की आर्थिक नीतियों, राजकोषीय अनुशासन और वैश्विक आधारों के प्रति लचीलापन का समर्थन करता है।
- संस्थागत विश्वास को प्रोत्साहन: संप्रभु रेटिंग में सुधार के तुरंत बाद प्रमुख भारतीय बैंकों और वित्तीय संस्थानों की रेटिंग्स में भी सुधार हुआ, जिससे पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता झलकती है।
- नीतिगत प्रभाव: यह भारत के विवेकपूर्ण मैक्रोइकोनॉमिक प्रबंधन, चल रहे सुधारों और RBI द्वारा स्थिर मुद्रास्फीति नियंत्रण की पुष्टि करता है।
- वैश्विक धारणा: यह पहले की उस आलोचना का प्रत्युत्तर करता है जिसमें कहा गया था कि रेटिंग्स भारत की वास्तविक आर्थिक स्थिति को नहीं दर्शातीं, और भारत की उभरते बाजारों में प्रतिष्ठा को ऊंचा करता है।
- विकास को बल: विदेशों से आसान फंडिंग भारत की विकासात्मक महत्वाकांक्षाओं, बुनियादी ढांचे के विस्तार और \$5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को समर्थन देगी।

Source: PIB

ब्लैक होल-तारा अंतःक्रिया से उत्पन्न नए प्रकार के सुपरनोवा

संदर्भ

- खगोलविदों ने हाल ही में सुपरनोवा के एक पहले से अज्ञात प्रकार का अवलोकन किया है, जिसमें एक विशाल तारा अपने ब्लैक होल साथी के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव के अंतर्गत विस्फोटित हुआ।

सुपरनोवा क्या है?

- तारे में हाइड्रोस्टैटिक संतुलन: एक तारा इसलिए जीवित रहता है क्योंकि उसमें दो शक्तियों का संतुलन होता है:
 - ▲ गुरुत्वाकर्षण, जो पदार्थ को अंदर की ओर खींचता है
 - ▲ नाभिकीय संलयन, जो हाइड्रोजन को हीलियम में और बाद में भारी तत्वों में बदलकर ऊर्जा बाहर की ओर छोड़ता है
- जब कोई तारा अपने जीवन के अंत तक पहुँचता है, तो उसका कोर गुरुत्वाकर्षण के कारण ढह जाता है क्योंकि उसमें नाभिकीय ईंधन समाप्त हो जाता है।
 - ▲ यह पतन एक आघात तरंग उत्पन्न करता है जो तारे की बाहरी परतों को अंतरिक्ष में विस्फोटित कर देता है, जिससे सुपरनोवा बनता है।

सुपरनोवा के प्रकार

- कोर-ढहाव सुपरनोवा (Type II, Ib, Ic):

- ▲ ये सुपरनोवा उन विशाल तारों में होते हैं जिनका द्रव्यमान सूर्य से कम से कम आठ गुना अधिक होता है।
- ▲ जब नाभिकीय संलयन बंद हो जाता है, तो कोर ढह जाता है और बाहरी परतें विस्फोटित हो जाती हैं।
- ▲ इसके बाद पीछे बचता है:
 - न्यूट्रॉन तारा (यदि द्रव्यमान सूर्य से कम से कम 8 गुना हो), या
 - ब्लैक होल (यदि द्रव्यमान सूर्य से कम से कम 20 गुना हो)
- थर्मोन्यूक्लियर सुपरनोवा (Type Ia):
 - ▲ यह द्वितीया प्रणालियों में घटित होता है, जहां एक श्वेत वामन तारा अपने साथी से पदार्थ एकत्रित करता है।
 - ▲ जब श्वेत वामन लगभग 1.4 सौर द्रव्यमान की चंद्रशेखर सीमा को पार कर जाता है, तो इससे कोर संपीड़न और अनियंत्रित नाभिकीय संलयन होता है, जिसके परिणामस्वरूप एक प्रकार Ia सुपरनोवा बनता है, जिसमें कोई कोर अवशेष नहीं बचता।

N
NEXT

Black holes

Black holes are created when giant stars, at least around 20 times the mass of the Sun, die.

HOW BLACK HOLES FORM

Nuclear reaction in core of a star produces energy and pressure. The pressure pushing out is countered by the gravitational forces created by the mass of the core to produce a stable star.

As black holes are invisible, they are detected by the effects they have on their surroundings:

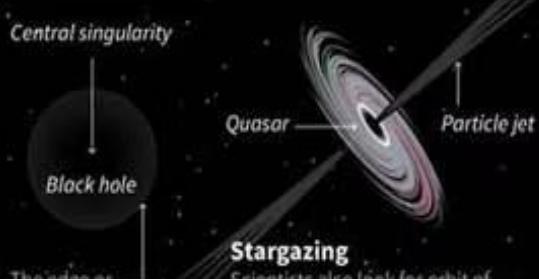
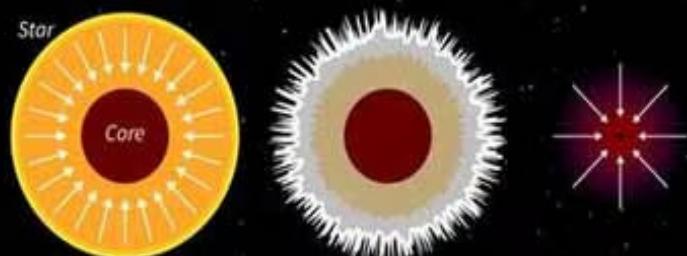
Dying star
As nuclear energy starts running out, gravity starts to overcome pressure, increasing core density and gravitational force

Supernova
Nuclear reaction stops and the star explodes as a supernova, expelling outer parts of the star into space.

Collapse
The core collapses under its own weight into a single point of infinite density.

Black hole
Gravitational forces at this stage are so strong light cannot escape from its pull

Quasar
Gas and space matter that are sucked into a black hole become rapidly heated and give off detectable radiation



ब्लैक होल क्या है?

- ब्लैक होल एक अत्यधिक सघन वस्तु होती है जिसकी गुरुत्वाकर्षण शक्ति इतनी अधिक होती है कि उससे प्रकाश भी नहीं बच सकता।
- विशेषताएँ:** ब्लैक होल की कोई सतह नहीं होती, जैसे किसी ग्रह या तारे की। बल्कि, यह अंतरिक्ष का एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ पदार्थ अपने आप में सिमट गया है, जिसके परिणामस्वरूप एक अत्यंत छोटे क्षेत्र में भारी मात्रा में द्रव्यमान केंद्रित हो गया है।
 - ब्लैक होल का केंद्र एक गुरुत्वाकर्षण विलक्षणता है, एक ऐसा बिंदु जहाँ सापेक्षता का सामान्य सिद्धांत विखंडित हो जाता है। ब्लैक होल की अत्यधिक गुरुत्वाकर्षण शक्ति का स्रोत यही विलक्षणता प्रतीत होती है।
 - घटना क्षितिज, ब्लैक होल के चारों ओर की सीमा है। यह उस बिंदु को चिह्नित करता है जिसके आगे कुछ भी वापस नहीं लौट सकता।
- ब्लैक होल की अवधारणा का सिद्धांत अल्बर्ट आइंस्टीन ने 1915 में अपने सापेक्षता के सामान्य सिद्धांत के माध्यम से दिया था।
- “ब्लैक होल” शब्द बाद में 1960 के दशक में जॉन आर्चीबाल्ड व्हीलर द्वारा गढ़ा गया था।

हाल की घटना के बारे में

- लगभग 700 मिलियन प्रकाश-वर्ष दूर एक द्वैतीय तारा प्रणाली का अवलोकन किया गया, जिसमें शुरू में दो विशाल तारे थे।
- इनमें से एक तारा अपने जीवन के अंत तक पहुँच गया, सुपरनोवा हुआ और ब्लैक होल में बदल गया।
- जीवित साथी तारा, जो सूर्य से कम से कम 10 गुना अधिक विशाल था, धीरे-धीरे ब्लैक होल के करीब आता गया।
 - ब्लैक होल ने तारे को विकृत किया और उसका पदार्थ खींच लिया। अंततः वह तारा एक सुपरनोवा जैसी घटना में विस्फोटित हो गया।

घटना का महत्व

- ब्लैक होल द्वारा प्रेरित:** आंतरिक अस्थिरताओं के कारण उत्पन्न होने वाले सामान्य सुपरनोवा के विपरीत, यह विस्फोट संभवतः एक साथी ब्लैक होल के ज्वारीय खिंचाव के कारण प्रेरित हुआ था।
- पूर्व-विस्फोट संकेत:** खगोलविदों ने विस्फोट से कई वर्ष पहले ही चमकीले उत्सर्जन को देखा था, जो संभवतः ब्लैक होल द्वारा तारे की हाइड्रोजेन परत को हटाने के कारण हुआ था।

Source: DD News

संक्षिप्त समाचार

श्री अरबिंदो

समाचार में

- प्रधानमंत्री ने श्री अरबिंद को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

- उनका जन्म 15 अगस्त 1872 को कलकत्ता में ब्रह्म समाज से प्रभावित परिवार में हुआ था।
- उनके पिता कृष्णधुन घोष एक अंग्रेजी थे; उन्होंने 1879 में अरबिंद और उनके भाइयों को ICS की तैयारी के लिए इंग्लैंड भेजा।
- उन्होंने मैनचेस्टर, लंदन और किंग्स कॉलेज, कैम्ब्रिज में शिक्षा प्राप्त की।
- उन्होंने ICS परीक्षा उत्तीर्ण की, लेकिन घुड़सवारी परीक्षा में अनुपस्थित रहने के कारण अयोग्य घोषित कर दिए गए।

राजनीतिक जागृति और सक्रियता

- वे 1893 में भारत लौटे; 13 वर्षों तक बड़ौदा सेवा में कार्य किया, इस दौरान कविता लिखी और भारतीय भाषाएँ सीखीं।
- उनकी राजनीतिक यात्रा लगभग 1902 में शुरू हुई और 1905 के बंगाल विभाजन के पश्चात तीव्र हो गई, जिससे वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रवादी गुट में सक्रिय हो गए।

- वे 1906 में बंगाल नेशनल कॉलेज के प्राचार्य बने।
- उन्होंने कांग्रेस के “उग्रवादी” गुट में भाग लिया; 1907 में राजद्रोह के आरोप में मुकदमा चला लेकिन वे बरी हो गए।
- 1908 में अलीपुर षड्यंत्र मामले में गिरफ्तार हुए; जेल में रहते हुए उनका आध्यात्मिक रूपांतरण हुआ।
 - रिहाई के पश्चात (1909), उन्होंने अंग्रेजी सासाहिक कर्मयोगिन और बंगाली सासाहिक धर्म शुरू किए।
- वे 1910 में पांडिचेरी चले गए; सक्रिय राजनीति से दूर हो गए लेकिन वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध बने रहे।

क्या आप जानते हैं?

- श्री अरविंद ने निष्क्रिय प्रतिरोध का समर्थन किया, जो गांधी के सत्याग्रह से भिन्न था।
- जहाँ गांधी इसे आत्मबल से जुड़ा नैतिक कष्ट मानते थे, वहाँ अरविंद ने इसे औपनिवेशिक शासन से सहयोग न करने की संगठित रणनीति माना, जो राष्ट्रीय अस्तित्व के लिए आवश्यक किसी भी साधन — यहाँ तक कि हिंसात्मक तरीकों — से उचित थी।
- उन्होंने कांग्रेस के उदारवादियों की आलोचना की और आत्मनिर्भरता व आत्मरक्षा पर बल दिया।

दर्शन

- 1908 में बॉम्बे में दिए गए एक भाषण में उन्होंने राष्ट्रवाद को “ईश्वर का कार्य” और राष्ट्रवादियों को “ईश्वर के उपकरण” कहा।
- उन्होंने राष्ट्रीय स्वतंत्रता और अस्तित्व के लिए निष्क्रिय प्रतिरोध को रणनीति के रूप में प्रस्तुत किया।
- उन्होंने कांग्रेस के उदारवादियों की समझौतावादी राजनीति की आलोचना की।
- न्यू थॉट (1907) में उन्होंने आत्म-विकास के लिए आत्म-सहायता पर बल दिया, चाहे वह अहिंसात्मक न हो।
- उन्होंने निष्क्रिय प्रतिरोध को औपनिवेशिक प्रशासन की सहायता से मना के रूप में परिभाषित किया, जो आवश्यक रूप से अहिंसक नहीं था।

- उनका मानना था कि यदि राष्ट्र का अस्तित्व खतरे में हो, तो कोई भी कार्य — हिंसक या अहिंसक — उचित है।
- उन्होंने अंग्रेजी सासाहिक कर्मयोगिन और बंगाली सासाहिक धर्म शुरू किए।

विरासत

- उनकी विरासत स्वराज, धर्म, राष्ट्रवाद और प्रतिरोध पर उनके विचारों के साथ एक सूक्ष्म और आलोचनात्मक संवाद की मांग करती है, जिसमें आध्यात्मिक दृष्टि और राजनीतिक प्रतिबद्धता का अद्वितीय समन्वय है।

Source :IE

अलास्का

समाचार में

- संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के राष्ट्रपतियों ने अलास्का के एंकोरेज स्थित जॉइंट बेस एल्मेंडॉर्फ-रिचर्ड्सन में वार्ता की, जहाँ उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की।

अलास्का के बारे में

- अलास्का संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे बड़ा और सबसे उत्तरी राज्यों में से एक है।
- अलास्का को पहले “सिवार्ड की मूर्खता” (Seward's Folly) कहा जाता था, यह नाम उस समय के विदेश मंत्री विलियम एच. सिवार्ड के नाम पर पड़ा, जिन्होंने 1867 में अलास्का संधि के अंतर्गत रूस से 7.2 मिलियन डॉलर में अलास्का की खरीद की थी।
- यह कनाडा द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका से अलग किया गया है और इसके चारों ओर आर्कटिक महासागर (उत्तर), प्रशांत महासागर (दक्षिण), बेरिंग जलडमरुमध्य (पश्चिम), और कनाडा (पूर्व) स्थित हैं।
- एल्युशियन पर्वत शृंखला, एक ज्वालामुखीय पर्वत शृंखला, प्रायद्वीप के साथ फैली हुई है, और इस क्षेत्र में कई सक्रिय और निष्क्रिय ज्वालामुखी हैं।
- यह प्रशांत रिंग ऑफ फायर का भाग है और भूकंपीय रूप से सक्रिय है, जहाँ प्रायः भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं।

- अलास्का की जनसंख्या घनत्व अमेरिका के सभी राज्यों में सबसे कम है।

Source: TH

ऑपरेशन सद्वावना

संदर्भ

- अरुणाचल प्रदेश में, भारतीय सेना की ऑपरेशन सद्वावना पहल के अंतर्गत, तवांग जिले के दाहझोंग में एक 'आरोग्यम स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र' का उद्घाटन किया गया।

ऑपरेशन सद्वावना के बारे में

- ऑपरेशन सद्वावना (गुडविल) 1998 में भारतीय सेना द्वारा शुरू की गई एक कल्याणकारी पहल है जिसका उद्देश्य मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और पूर्वोत्तर भारत के चुनिंदा हिस्सों में आतंकवाद, उग्रवाद और धीमी विकास दर से प्रभावित लोगों का "दिल एवं दिमाग" जीतना है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य समग्र सामाजिक विकास: शिक्षा (आर्मी गुडविल स्कूल), स्वास्थ्य शिविर, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और बुनियादी ढाँचे के विकास के माध्यम से स्थानीय लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना है।

Source: AIR

PM विकसित भारत रोजगार योजना

समाचार में

- हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ₹1 लाख करोड़ के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना की घोषणा की।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना

- यह योजना नव-नियुक्त युवाओं को दो किश्तों में ₹15,000 तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान करेगी और नियोक्ताओं को प्रति नए कर्मचारी ₹3,000 प्रति माह तक की प्रोत्साहन राशि देगी, ताकि नए रोजगार के

अवसर सृजित किए जा सकें।

- भुगतान डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) और पैन से जुड़े खातों के माध्यम से किए जाएंगे।

विशेषताएँ

- इस योजना के दो भाग हैं:
 - भाग A (प्रथम बार नियोजित कर्मचारियों को सहायता):**
 - यह भाग ईपीएफओ में पंजीकृत 1.92 करोड़ नए कर्मचारियों को लक्षित करता है।
 - दो किश्तों में ₹15,000 तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी (6 और 12 महीने बाद), जिसमें एक हिस्सा बचत खाते में रखा जाएगा।
 - ₹1 लाख तक वेतन पाने वाले कर्मचारी इस प्रोत्साहन के लिए पात्र होंगे।
 - भाग B (नियोक्ताओं के लिए प्रोत्साहन):**
 - यह सभी क्षेत्रों में अतिरिक्त रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करेगा, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।
 - ₹1 लाख तक वेतन पाने वाले नए कर्मचारियों के लिए नियोक्ताओं को प्रोत्साहन मिलेगा।
 - सरकार प्रत्येक अतिरिक्त रोजगार के लिए, जो कम से कम छह महीने तक बना रहे, दो वर्षों तक ₹3,000 प्रति माह तक प्रोत्साहन देगी।
 - विनिर्माण क्षेत्र के लिए यह प्रोत्साहन तीसरे और चौथे वर्ष तक भी बढ़ाया जाएगा।
 - यह अनुमान है कि यह योजना लगभग 2.60 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजन के लिए नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करेगी।
 - भाग A के तहत प्रथम बार नियोजित कर्मचारियों को सभी भुगतान डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) मोड के माध्यम से आधार ब्रिज पेमेंट सिस्टम (ABPS) का उपयोग करके किए जाएंगे।**
 - भाग B के अंतर्गत नियोक्ताओं को भुगतान सीधे उनके पैन से जुड़े खातों में किया जाएगा।**

Source :PIB

बॉम्बैक्स सीबा और लेगस्ट्रोइमिया स्पेशियोसा

संदर्भ

- एक नए अध्ययन में पाया गया है कि दो देशी पौधों की प्रजातियाँ — बॉम्बैक्स सीबा (सिमालू) और लेगस्ट्रोइमिया स्पेसियोसा (अजार) — असम के डिबू-सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान (DSNP) में “घासभूमि आक्रमणकारी” के रूप में उभर रही हैं।

देशी घासभूमि आक्रमणकारी

बॉम्बैक्स सीबा:

- एक पर्णपाती वृक्ष जिसकी बड़ी, लाल, प्याले के आकार की फूलों में अमृत की भरपूर मात्रा होती है।
- यह भारत और उष्णकटिबंधीय एशिया का देशी वृक्ष है।
- यह अपने बड़े आकार और बीजों से उत्पन्न रेशमी फाइबर के लिए जाना जाता है।
- पारंपरिक रूप से असम के वनों में पाया जाता है, लेकिन अब यह घासभूमियों पर नियंत्रण कर रहा है।

लेगस्ट्रोइमिया स्पेसियोसा:

- एक वृक्ष जो अपने सुंदर, आकर्षक फूलों के लिए जाना जाता है, जो गुलाबी, बैंगनी या सफेद रंग के हो सकते हैं।
- इसे “क्वीन क्रेप मर्टल” के नाम से भी जाना जाता है।



डिबू-सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान में अन्य आक्रामक प्रजातियाँ

- झाड़ियाँ: क्रोमोलेना ओडोराटा, एग्रोटम कोनिजोइड्स
- जड़ी-बूटी: पार्थेनियम हिस्टेरोफोरस
- लता: मिकेनिया माइक्रांथा

डिबू-सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान

- स्थान: असम के डिबूगढ़ और तिनसुकिया जिले
- अवस्थिति: यह उद्यान उत्तर में ब्रह्मपुत्र और लोहित नदियों तथा दक्षिण में डिबू नदी से घिरा हुआ है।
- वनस्पति: अर्ध-सदाबहार वन, पर्णपाती, तटीय और दलदली वन तथा आर्द्र सदाबहार वन के टुकड़े।
- प्राणी: बंगल फ्लोरिकन, हॉग डियर, हूलॉक गिबन, स्वैम्प ग्रास बैबलर आदि।
- विशेषता: भारत में जंगली घोड़ों का एकमात्र आवास, जो WWII के सैन्य घोड़ों के वंशज हैं।
- स्थिति: यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व (1997), राष्ट्रीय उद्यान (1999)

स्रोत: TH

भारत का प्रथम विमानन ईंधन संयंत्र

समाचार में

- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (IOC) दिसंबर 2025 तक अपने पानीपत रिफाइनरी में सतत विमानन ईंधन (SAF) का वाणिज्यिक स्तर पर उत्पादन शुरू करने जा रहा है।
- यह उत्पादन प्रयुक्त खाना पकाने के तेल से SAF बनाने के लिए हाल ही में प्राप्त ISCC CORSIA प्रमाणन के बाद संभव हुआ है।

सतत विमानन ईंधन (SAF)

- यह एक जैव ईंधन है जो सतत स्रोतों से बनाया जाता है और पारंपरिक विमानन टरबाइन ईंधन (ATF) के समान रासायनिक संरचना रखता है, जो कच्चे तेल से प्राप्त होता है।
- इसलिए, वर्तमान विमान इंजन SAF-ATF मिश्रण पर बिना किसी संशोधन के चल सकते हैं।

लाभ

- यह पारंपरिक जेट ईंधन का एक स्वच्छ विकल्प प्रदान करता है और वैश्विक विमानन क्षेत्र के डीकार्बोनाइजेशन प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन का SAF उत्पादन यूरोपीय एयरलाइनों को आकर्षित कर सकता है, विशेष रूप से क्षेत्र में पहले से उपस्थित मिश्रण अनिवार्यताओं के कारण।
- उद्योग और ऊर्जा विशेषज्ञों का अनुमान है कि SAF अकेले विमानन क्षेत्र के वैश्विक डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों में 60% से अधिक योगदान देगा।

भविष्य के लक्ष्य

- भारत की राष्ट्रीय जैव ईंधन समन्वय समिति (NBCC) ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए CORSIA ढांचे के अंतर्गत प्रारंभिक SAF मिश्रण लक्ष्य निर्धारित किए हैं: 2027 में 1% और 2028 में 2%।
 - घेरलू उड़ानों के लिए SAF अनिवार्यता बाद में लागू होगी, जब अंतरराष्ट्रीय मिश्रण शुरू हो जाएगा।
 - वर्ष 2027 एक वैश्विक मील का पत्थर है, क्योंकि उस वर्ष CORSIA का अनिवार्य चरण प्रभाव में आता है।

क्या आप जानते हैं?

- अंतरराष्ट्रीय विमानन के लिए कार्बन ऑफसेटिंग और कटौती योजना (CORSIA) एक विशिष्ट क्षेत्र को लक्षित करने वाली प्रथम वैश्विक बाजार-आधारित पहल है।
 - यह विमानन उत्सर्जन को कम करने के अन्य प्रयासों — जैसे तकनीकी प्रगति, संचालन कुशलता और सतत विमानन ईंधन उपयोग — का समर्थन करता है, ताकि अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन संगठन (ICAO) के कार्बन-न्यूट्रल वृद्धि लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।
- CORSIA अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लागू होता है और यह अनिवार्य करता है कि एयरलाइंस 2020 के स्तर से ऊपर किसी भी CO₂ उत्सर्जन वृद्धि की भरपाई करें।
 - ISCC CORSIA एक प्रमाणन प्रणाली है जो CORSIA मानदंडों के अनुरूप SAF उत्पादन के लिए आवश्यक है।

Source :IE

मिशन सुदर्शन चक्र

संदर्भ

- प्रधानमंत्री मोदी ने मिशन सुदर्शन चक्र के शुभारंभ की घोषणा की, जो एक महत्वाकांक्षी स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली है जिसे 2035 तक पूरी तरह से विकसित किया जाएगा।

परिचय

- भगवान कृष्ण के पौराणिक अस्त्र के नाम पर रखा गया यह मिशन, हवाई खतरों के विरुद्ध एक सुदृढ़ स्वदेशी कवच बनाने के लिए एक व्यापक वायु रक्षा पहल है।
- इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि 2035 तक भारत के सभी सार्वजनिक स्थान एक राष्ट्रव्यापी सुरक्षा कवच के अंतर्गत सुरक्षित हों।

अन्य देशों की प्रमुख वायु-रक्षा प्रणालियाँ

देश/क्षेत्र	प्रमुख प्रणालियाँ
रूस	एस-400 ट्रायम्फ, एस-300वीएम, एस-350 वाइटाज़, एस-500 प्रोमेथियस
यूएसए	THAAD, पैट्रियट (PAC-3 MSE), गोल्डन डोम (विकासाधीन)
इजराइल	आयरन डॉम, डेविड का गोफन, आयरन बीम
चीन	HQ-9, HQ-22, HQ-16
यूरोपीय स्काई	स्काईर्स-टी एसएलएम शील्ड पहल (ESSI)

Source: TH

SLINEX-25

संदर्भ

- श्रीलंका-भारत नौसेना अभ्यास की 12वीं श्रृंखला, SLINEX-25 के तहत भारतीय नौसेना के जहाज INS राणा (गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर) और INS ज्योति (फ्लीट टैंकर) कोलंबो पहुँचे।

अभ्यास के बारे में

- SLINEX एक द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास है जिसे 2005 में भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया था।

- ▲ SLINEX का विगत संस्करण 17 से 20 दिसंबर 2024 तक भारत के विशाखापत्तनम में आयोजित किया गया था।
- **SLINEX-25 की संरचना**
 - ▲ **हार्बर चरण:** कोलंबो में आयोजित
 - ▲ **सी चरण:** समुद्र में संयुक्त संचालन
- **रणनीतिक महत्व**
 - ▲ SLINEX भारत की महासागर (MAHASAGAR) नीति — “क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक और समग्र उन्नति” — के अनुरूप है।

Source: PIB

